A Monthly e Magazine
ISSN:2583-2212
April, 2023; 3(04), 480-481

Popular Article

खुर पक्का मुह पक्का / चपका / खुरपा

डॉ. अनिता राठौड़
पशु औषध एवम् विष विज्ञान विभाग
पशु चिकित्सा एवम् पशु विज्ञान महाविधालय, नवानिया, उदयपुर
https://doi.org/10.5281/zenodo.7818423

सामान्यत

इस बीमारी को चपका या खुरपा कहते हैं | यह विभक्त खुर वाले सभी पशुओ जैसे गाय, भैंस, भेड़, बकरी, ऊंट व सूअर में पायी जाती हैं | इस बीमारी से पशुओ में दूध का उत्पादन कम हो जाता हैं | इससे बाल झड़ते हैं तथा चमड़ी खुरदरी हो जाती हैं | यह रोग विषाणुजनित होता हैं | इनकी बहुत तरह की किस्मे पायी जाती हैं जैसे कि ओ, ए, सी, एशिया 1, 2, 3, सैट 1, 3 पायी जाती हैं | यह बिमारी पशु के एक जगह से दूसरी जगह जाने से भी फैलती हैं |

यह बिमारी पशु के नजदीक जाने, पानी, घास, बर्तन, दूध, हवा तथा लोगो के सम्पर्क में आने से भी होती हैं | इस बिमारी के विषाणु सबसे ज्यादा लार, मुँह, खुर व फफोलो में पाये जाते हैं | यह विषाणु घाव, आंत, मुँह, जीभ, खूर के बीच की जगह आदि के द्वारा स्वस्थ पशुओ में जाते हैं तथा 5 दिन में इसके लक्षण पैदा होते हैं |

रोग के लक्षण

- पशु को बहुत तेज बुखार (104 – 106^{0}F) आता हैं |
- पशु खाना पीना बंद कर देता हैं |
- दूध का उत्पादन कम हो जाता हैं |
- मुँह से लार गिरने लगती हैं |
- पशु के मुँह के अन्दर, जीभ, होठ, मसूड़ो के अन्दर तथा खुरो के बीच छाले पड़ जाते हैं तथा छालों के कारण पशु खाना पीना बन्द कर देते हैं क्योकि बाद में यह छाले फूट जाते हैं |
- पशु लंगड़ाकर चलता हैं क्योकि खूर में छाले हो जाते हैं |
- पशु में गर्भपात हो जाता हैं तथा बछड़े की मौत हो जाती हैं |
- पशुपालक को आर्थिक रूप से बहुत नुकसान हो जाता हैं |

रोग का उपचार

- इसमें बीमारी के लक्षण दिखने पर कुछ इलाज किया जा सकता हैं |
- एंटीबायोटिक दवाईया दी जाती हैं |
- छालों पर फिटकरी या पोटाश का पानी लगाया जाता हैं |
- मुँह में बोरोग्लिसरीन तथा खुरो में Antiseptic लोशन या क्रीम का उपयोग किया जा सकता हैं |

रोग के बचाव

- इससे बचने के लिये साल में दो बार Polyvalent Vaccine के टीके लगवाने चाहिए |
- बछड़ो में पहला टीका 1 महीने की आयु में तथा दूसरा 3 माह की आयु व तीसरा 6 महीने की आयु में लगवाना चाहिए | इसके बाद नियमित टीका लगवाना चाहिए |
- स्वस्थ पशुओ को बीमार पशुओ से अलग रखना चाहिए |
- बीमार पशुओ के आने जाने से रोकना चाहिए |
- बाड़े को साफ सुथरा रखना चाहिए |
- मृत पशु को गाढना चाहिए |

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 08.04.2023